



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रामाणिक से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 198]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 21, 1986/वैशाख 31, 1908

No. 198]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 21, 1986/VAISAKHA 31, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 21 मई, 1986

आदेश

का. आ. 279(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./86.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 112(अ)/18 कक/उ.वि.वि.अ./79, तारीख 26 फरवरी, 1979, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मैसर्स ब्रेन्टफोर्ड इलैक्ट्रिक (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (1) के खंड (क) के अधीन छह महीने की अवधि के लिए अर्थात् 25 अगस्त, 1979 (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक ग्रहण किया था और एन्ड्रयूल एंड कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 476(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./79, तारीख 22 अगस्त, 1979 सं. का. आ. 637 (अ) 18कक/उ.वि.वि.अ./80, तारीख

22 अगस्त, 1980 सं. का. आ. 126 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./81, तारीख 23 फरवरी, 1981 सं. का. आ. 98(अ)/18 कक/उ.वि.वि.अ./82, तारीख 25 फरवरी, 1982 सं. का. आ. 611(अ)/18 कक/उ.वि.वि.अ./82, तारीख 23 अगस्त, 1982 सं. का. आ. 143(अ)/18 कक/उ.वि.वि.अ./83, तारीख 24 फरवरी, 1983 सं. का. आ. 611(अ)/18 कक/उ.वि.वि.अ./83 तारीख 24 अगस्त 1983, सं. का. आ. 772(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./83, तारीख 25 अक्टूबर, 1983 सं. का. आ. 845(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./83, तारीख 19 नवंबर, 1983 सं. का. आ. 401 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./84 तारीख 22 मई, 1984 सं. का. आ. 876(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./84 तारीख 23 नवंबर 1984, सं. का. आ. 163(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./85, तारीख 25 फरवरी, 1985 सं. का. आ. 416(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./85 तारीख 24 मई, 1985 सं. का. आ. 618 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./85, तारीख 22 अगस्त, 1985 सं. का. आ. 843 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./85 तारीख 25 नवंबर, 1985 तथा सं. का. आ. 66(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./86, तारीख 24 फरवरी, 1986 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 25 मई, 1986 (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार की राय है कि लोकाहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध छह महीनों की अवधि के लिए एन्ड्रयूल एंड कंपनी लिमिटेड, के प्रबंधन के अधीन बने रहना चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देती है कि उक्त आदेश छह महीने की और अवधि के लिए अर्थात् तारीख 25 नवम्बर, 1986 तक, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) प्रभावी बचा रहेगा।

[फा. सं. 5(14)/78-सी.यू.एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 21st May, 1986

ORDER

S.O. 279(E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 122(E)|18AA|IDRA|79, dated the 26th February, 1979 hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Brentford Electric (India) Limited, Calcutta, was taken over under clause (a) of sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of six months upto and inclusive of 25th August, 1979 and Andrew Yule and Company Limited, Calcutta, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking ;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 476(E)|18AA|IDRA|79, dated the 22nd August, 1979, S.O. 637(E)|18AA|IDRA|80, dated the 23rd August, 1980, S.O. 126(E)|18AA|IDRA|81, dated the 23rd February, 1981, S.O. 98(E)|18AA|IDRA|82, dated the 25th February, 1982, S.O. 611(E)|18AA|IDRA|82, dated the 23rd August, 1982, S.O. 143(E)|18AA|IDRA|83, dated the 24th February, 1983, S.O. 611(E)|18AA|IDRA|83, dated the 24th August, 1983, S.O. 772(E)|18AA|IDRA|83, dated the 25th October, 1983, S.O. 845(E)|18AA|IDRA|83, dated the 19th November, 1983, S.O. 401(E)|18AA|IDRA|84, dated the 22nd May, 1984, S.O. 876(E)|18AA|IDRA|84, dated the 23rd November, 1984, S.O. 163(E)|18AA|IDRA|85, dated the 25th February, 1985, S.O. 416(E)|18AA|IDRA|85, dated the 24th May, 1985, S.O. 618(E)|18AA|IDRA|85, dated the 22nd August, 1985, S.O. 843(E)|18AA|IDRA|85, dated the 25th November, 1985, and S.O. 66(E)|18AA|IDRA|86, dated the 24th February, 1986, the duration of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 25th May, 1986.

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Andrew Yule and Company Limited, Calcutta, for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 18AA of the said

Act, the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 25th November, 1986.

[F. No. 5(14)/78-CUS]

आदेश

का. प्रा. 280(अ)/18-एफ बी/आई डी आर ए/86.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. प्रा. 124(अ)/18 एफबी/आई डी आर ए/79, तारीख 5 मार्च, 1979 तथा सं. का. प्रा. 130(अ)/18 एफ बी/आई डी आर ए/79, तारीख 9 मार्च 1979 (जिन्हें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-एफ बी/की उप धारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीखों से ठीक पूर्व प्रदत्त ऐसी सभी संविदाओं, संपत्ति के हस्तांतरण, पत्रों, करारों, व्यवस्थाओं, पंचटों, म्याई आदेशों या अन्य लिखतों जिनका मैसेज ब्रेडफोर्ड (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता, नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम पर लागू हो सकते हों, का प्रवर्तन 25 अगस्त, 1979 तक की अवधि के लिए निलंबित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व 25 अगस्त, 1979 तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) की अवधि के लिए निलंबित रहेंगे;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश—सं. का. प्रा. 477 (अ)/18-एफ बी/आईडीआरए/79, तारीख 22 अगस्त, 1979

सं. का. प्रा. 638 (अ)/18-एफ बी/आई डी आर ए/80, तारीख 22 अगस्त, 1980

सं. का. प्रा. 127(अ)/18-एफ बी/आई डी आर ए/81, तारीख 23 फरवरी, 1981

सं. का. प्रा. 99(अ)/18-एफ बी/आई डी आर ए/82, तारीख 25 फरवरी, 1982

सं. का. प्रा. 612 (अ)/18 एफबी/आई डी आर ए/82, तारीख 23 अगस्त, 1983,

सं. का. प्रा. 144(अ)/18 एफबी/आई डी आर ए/83, तारीख 24 फरवरी, 1983

सं. का. प्रा. 612(अ)/18 एफ बी/आई डी आर ए/83, तारीख 24 अक्टूबर 1983

सं. का. प्रा. 773(अ)/18 एफ बी/आई डी आर ए/83, तारीख 25 अक्टूबर, 1983

सं. का. प्रा. 846(अ)/18 एफबी/आई डी आर ए/83, तारीख 19 नवंबर, 1983

सं. का. प्रा. 402(अ)/18 एफ बी/आईडी आर ए/84, तारीख 22 मई, 1984

सं. का. प्रा. 877(अ)/18 एफबी/आई डी आर ए/84, तारीख 23 नवंबर, 1984

सं. का. प्रा. 164(अ)/18 एफ बी/आई डी आर ए/85, तारीख 25 फरवरी, 1985

सं. का. प्रा. 417(अ)/18 एफबी/आई डी आर ए/85, तारीख 24 मई, 1985

स.का.आ. 619(अ)/18 एफबीआई डी आर ए/85,
तारीख 22 अगस्त, 1985.

स.का.आ. 844(अ)/18 एफ बीआई डी आर ए/85, तारीख 25 नवंबर, 1985 तथा सं.का.आ. 67(अ)/18 एफबीआई डी आरए/86, तारीख 24 फरवरी, 1986 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 25 मई 1986 (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक बढ़ा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार इस बारे में सतुष्ट हो गई है कि उक्त आदेश की अवधि छह महीनों के लिए अर्थात् 25 नवंबर, 1986 (जिसमें यह दिन भी शामिल है) आर बढ़ा दी जाना चाहिए, अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 एफ बी की उपधारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त आदेशों की अवधि 25 नवंबर, 1986 तक, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) और बढ़ाती है।

[फा. स. 5(14)/78-सी.यू.एस.]

ए. पी. सरवान, मयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 280(E)|18FB|IDRA|86.—Whereas by the two Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 124(E)|18FB|IDRA|79, dated the 5th March, 1979 and No. S.O. 130(E)|18FB|IDRA|79, dated the 9th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Orders), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operations of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments, in force immediately before the dates of the issue of said Orders, to which the Industrial Undertaking known as Messrs Brentford Electric (India) Limited, Calcutta, was a party or which might be applicable to the said industrial undertaking, should remain suspended for a period upto the 25th August, 1979 and that all rights,

privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date should remain suspended for a period upto and inclusive of the 25th August, 1979;

And, whereas by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) :—

No. S.O. 477(E)|18FB|IDRA|79, dated the 22nd August, 1979, No. S.O. 638(E)|18FB|IDRA|80, dated the 23rd August, 1980, No. S.O. 127(E)|18FB|IDRA|81, dated the 23rd February, 1981, No. S.O. 99(E)|18FB|IDRA|82, dated the 25th February, 1982, No. S.O. 612(E)|18FB|IDRA|82, dated the 23rd August, 1982, No. S.O. 144(E)|18FB|IDRA|83, dated the 24th February, 1983, No. S.O. 612(E)|18FB|IDRA|83, dated the 24th August, 1983, No. S.O. 773(E)|18FB|IDRA|83, dated the 25th October, 1983, No. S.O. 846(E)|18FB|IDRA|83, dated the 19th November, 1983, No. S.O. 402(E)|18FB|IDRA|84, dated the 22nd May, 1984, No. S.O. 877(E)|18FB|IDRA|84, dated the 23rd November, 1984, No. S.O. 164(E)|18FB|IDRA|85, dated the 25th February, 1985, No. S.O. 417(E)|18FB|IDRA|85, dated the 24th May, 1985, No. S.O. 619(E)|18FB|IDRA|85, dated the 22nd August, 1985, No. S.O. 844(E)|18FB|IDRA|85, dated the 25th November, 1985, and No. S.O. 67(E)|18FB|IDRA|86, dated the 24th February, 1986; the duration of the said Orders was extended for a further period upto and inclusive of the 25th May, 1986.

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Orders, should be extended for a further period of six months upto and inclusive of the 25th November, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Orders upto and inclusive of the 25th November, 1986.

[File No. 5(14)|78-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

